12 दिसंबर 2025

शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

खाद की बोरियों के नीचे लिकर फोर्ट : बक्सर पुलिस ने 60 लाख की विदेशी शराब पकड़ी, हरियाणा-बिहार नेटवर्क का भंडाफोड़

2

एक नजर

आईएसआईएस आतंकी फंडिंग पर ईडी ने किया चार राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को प्रतिबंधित वैश्विक आतंकी संगठन आइसिस के एक अत्यधिक कट्टरपंथी माड्यूल के खिलाफ आतंकी फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत चार राज्यों में तलाशी अभियान चलाया। आइसिस का यह अड्डा ठाणे जिले के पडघा गांव में था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पडघा-बोरीवली गांवों के अलावा रत्नागिरी जिले और दिल्ली, कोलकाता तथा उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों सहित 40 स्थानों पर गुरुवार तड़के छापेमारी की गई। महाराष्ट्र में की गई छापेमारी के दौरान आतंकवाद-रोधी दस्ते ने ईडी टीमों को सुरक्षा प्रदान की, जबकि अन्य क्षेत्रों में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने उनकी सहायता की।ईडी ने नवंबर 2023 के एनआइए के एक मामले का संज्ञान लेते हुए मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

सरकारी संस्थानों को खत्म करने की साजिश हो रही :राहुल

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की एनडीए सरकार पर सरकारी संस्थानों को कमजोर करने और उन्हें निजी हाथों में सौंपने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह साजिश गहरी है और भारत के भविष्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की नीति सरकारी कंपनियों को पहले बदहाल करना, फिर घाटे का हवाला देकर उन्हें अपने पूंजीपति दोस्तों को सौंपना है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी नीतियां देश के विकास, रोजगार और जनता के हितों के खिलाफ हैं। राहुल गांधी ने संसद कार्यालय में भारत इम्यूनोलॉजिकल्स एंड बायोलॉजिकल्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीआईबीसीओएल) के कर्मचारियों से मुलाकात का वीडियो साझा किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला और वे कर्ज तथा उधार पर जीवन गुजारने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि कभी लाभ में रहने वाली बीआईबीसीओएल को 2017 के बाद सोच-समझकर घाटे में धकेला गया।

यूपी, तमिलनाडु समेत छह राज्यों में बढ़ाई गई एसआईआर की समयसीमा

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए समयसीमा बढ़ायी। हालांकि इन राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल नहीं है। जहां एसआईआर को लेकर विपक्ष सबसे ज्यादा आक्रामक है। ईसीआई के अनुसार, तमिलनाडु और गुजरात में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जाएंगे और 19 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होगी। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 18 दिसंबर तक एसआईआर की प्रक्रिया होगी और 23 दिसंबर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी, जबकि यूपी में 26 दिसंबर तक फॉर्म भरे जाएंगे और 31 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट रोल जारी होगा।

जारी होगा एसआईआर का शेड्यूल

गोवा, गुजरात, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए फॉर्म भरने का समय 11 दिसंबर 2025 को खत्म हो जाएगा। यहां ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल 16 दिसंबर 2025 को पब्लिश किए जाएंगे। केरल में एसआईआर का शेड्यूल पहले बदला गया था। यहां 18 दिसंबर 2025 तक एसआईआर की प्रक्रिया होनी है और ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल 23 दिसंबर को पब्लिश किया जाएगा।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर ईसीआई का निर्देश

चुनाव आयोग ने एक दिन पहले बुधवार (10 दिसंबर 2025) को सभी 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत एक अहम निर्देश जारी किया। ईसीआई ने संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे बूथ स्तर पर तैयार होने वाली अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराए गए मतदाताओं की लिस्ट राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ साझा करें। चुनाव आयोग ने कहा कि बूथ स्तरीय अधिकारियों की ओर से तीन या उससे अधिक बार घर जाकर संपर्क करने के बाद भी जिन मतदाताओं से संपर्क नहीं हो पाया, उन्हें एएसडी श्रेणी में रखा गया है। अब इन मतदाताओं की स्थिति की पुष्टि करना जरूरी है, ताकि मतदाता सूची जारी होने से पहले गलतियों को ठीक किया जा सके। इसके लिए हर बूथ पर बूथ स्तरीय अधिकारी, राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ स्तरीय एजेंटों से मुलाकात करेंगे और उन्हें पूरी एएसडी सूची सौंपी जाएगी।

पीएम मोदी और डोनल्ड ट्रंप ने ट्रेड एनर्जी और डिफेंस पर चर्चा की

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच व्यापार, ऊर्जा और रक्षा के मुद्दे पर बात हुई। पीएम मोदी ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। भारत और अमेरिका वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।उन्होंने कहा कि दोनों नेता साझा चुनौतियों से निपटने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। अमेरिकी प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के अनुसार, भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील सकारात्मक मोड़ पर है। भारत ने अमेरिका को अब तक का बेस्ट प्रस्ताव दिया है। ग्रीर ने कहा कि अमेरिकी ज्वार और सोयाबीन जैसे उत्पादों के लिए भारत अपना बाजार खोलने के लिए तैयार हो गया है। एक टीम अभी भारत में ही है और वे कृषि क्षेत्र में आई बाधाओं को कम करने की कोशिश कर रहे हैं ग्रीर ने कहा कि अमेरिकी मक्के और सोयाबीन से निकलने वाले एथेनॉल को भी भारत खरीद सकता है।

भारतीय सेना, स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ और प्रशासन राहत बचाव कार्य में जुटा

22 मजदूरों को ले जा रहा ट्रक खाई में गिरा, 18 शव बरामद

- एक ही गांव के रहने वाले थे सभी श्रमिक
- ट्रक मजदूरों को अरुणाचल प्रदेश के एक निर्माण स्थल पर ले जा रहा था

एजेंसी। दिसपुर

अरुणाचल प्रदेश के चगलागाम क्षेत्र में बड़ा हादसा हुआ, जहां 22 मजदूरों को लेकर जा रहा ट्रक गहरी खाई में गिर गया। घटना बेहद दुर्गम इलाके में होने के कारण इसकी जानकारी देर से मिल पाई। भारतीय सेना, स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ और प्रशासन के संयुक्त अभियान में अब तक 18 शव मिल चुके हैं, जिनमें से अधिकांश तिनसुकिया जिले के एक ही गांव के मजदूर थे जो निर्माण कार्य के लिए गए थे।भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के चगलागाम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। बता दें कि बुधवार को हायुलियांग-चगलागाम सड़क पर किलोमीटर 40 के पास एक वाहन दुर्घटना की जानकारी मिली थी। एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति, जो किसी तरह चिप्रा जीआरईएफ कैंप तक पहुंच पाया है। चिप्रा ने बताया कि 22 मजदूरों को लेकर जा रहा ट्रक खाई में गिर गया था। दुर्घटना स्थल चगलागाम से लगभग 12 किलोमीटर पहले अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में है, जहां सीमित संपर्क होने के कारण स्थानीय एजेंसियों, ठेकेदारों या किसी नागरिक प्रतिनिधि द्वारा घटना की सूचना नहीं दी जा सकी। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एमएस रावत ने बताया कि गुरुवार को स्पीयर कोर ने कई सर्च और रेस्क्यू टीमें, मेडिकल दल, जीआरईएफ प्रतिनिधि, स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ और एडीसी हायुलियांग को मौके पर रवाना किया। करीब चार घंटे की तलाशी और रस्सी के सहारे नीचे उतरने के बाद ट्रक को सड़क से लगभग 200 मीटर नीचे घने जंगल और पत्तियों की वजह से अत्यंत कठिनाई से देखा जा सका। अब तक 18 शव दिखाई दिए हैं और उन्हें बेल-रोप तकनीक से निकाला जा रहा है।

खोज व बचाव अभियान जारी

डिप्टी कमिश्नर स्वप्निल पॉल ने बताया, लगभग 11 बजे सूचना मिली कि अंजॉ जिले में एक वाहन खाई में गिर गया है। इसके बाद हमने अंजॉ और तेजू के डीसी से संपर्क किया। कठोर भौगोलिक परिस्थितियों और खराब दृश्यता के बावजूद सेना, सिविल प्रशासन और विभिन्न एजेंसियां मिलकर शेष लोगों की तलाश और त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए पूरा प्रयास कर रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रक पहाड़ी सड़क से फिसल गया। पलटने के बाद लगभग 1,000 फीट गहरी खाई में गिर गया। सभी मजदूर तिनसुकिया के गेलापुखुरी चाय बागान के थे। वे निर्माण संबंधी काम के लिए हयूलियांग जा रहे थे, तभी यह जानलेवा हादसा हुआ। यह दुर्घटना तब हुई जब पहाड़ी इलाके से गुजरते समय वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरी खाई में गिर गया।एक अधिकारी ने बताया कि हैयूलियांग-चगलागाम इंडो-चीन बॉर्डर रोड पर मजदूरों से भरा क अचानक संतुलन खोकर बहुत गहरी खाई में गिर गया।

कोविड ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले डॉक्टरों के परिजन बीमा के हकदार

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान ड्यूटी करते हुए जान गंवाने वाले डॉक्टरों के परिवार "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना" के तहत 50 लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर के हकदार हैं। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि प्राइवेट डॉक्टर सरकार की इंश्योरेंस स्कीम के तहत कवर के हकदार नहीं हैं।जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि महामारी के समय डॉक्टरों की सेवाएं शासन की ओर से औपचारिक रूप से मांगी गई थीं। यह बात महामारी कानूनों, महाराष्ट्र कोविड रोकथाम नियम, 31 मार्च 2020 को जारी नवी मुंबई नगर निगम के आदेश, पीएमजीकेवाई पैकेज और उससे संबंधित दिशानिर्देशों से स्पष्ट होती है। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान लागू किए गए सभी प्रावधानों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाओं में कोई कमी न रहे और उन्हें विश्वास दिलाया जाए कि देश उनके साथ खड़ा है। बीमा योजना भी इसी सोच के तहत लाई गई थी, ताकि कोविड योद्धाओं के परिवार सुरक्षित रहें। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हर बीमा दावा कानून और साक्ष्यों के आधार पर तय होगा। दावा करने वाले पर यह साबित करने का दायित्व होगा कि मृतक डॉक्टर कोविड से संबंधित ड्यूटी निभाते हुए अपनी जान गंवा बैठे। यह फैसला प्रदीप अरोड़ा और अन्य याचिकाकताओं की उस अपील पर आया, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट के 9 मार्च 2021 के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टरों को तभी लाभ मिलेगा जब उनकी सेवाएं राज्य या केंद्र सरकार की ओर से औपचारिक रूप से तैनात की गई हों।

बीमा कंपनी ने डॉक्टर का दावा कर दिया था खारिज

मूल मामला किरण भास्कर सुर्गड़े की याचिका से शुरू हुआ था, जिनके पति थाणे में एक निजी क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टर की 2020 में कोविड से मृत्यु हो गई थी। बीमा कंपनी ने उनका दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उनका क्लीनिक कोविड अस्पतालों की सूची में नहीं था। मार्च 2020 में शुरू की गई पीएमजीकेपी योजना का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों के परिवारों को संकट की घड़ी में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना था। इस योजना के तहत 50 लाख रुपये का बीमा कोविड योद्धाओं के आश्रितों के लिए बड़ा सहारा रहा है।

कोयला डम्प से हलकान चौसा के ग्रामीणों ने सदर विधायक से लगाई गुहार

- विधायक ने ठेकेदार को लताड़ा, लापरवाही पर कार्रवाई की दी चेतावनी
- ग्रामीण बोले, कोयले की धूल से गांव में फैल रहा है प्रदूषण, सांस लेना मुश्किल

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र में ग्रामीणों की परेशानियां गुरुवार को उस वक्त फूट पड़ीं, जब सदर विधायक आनंद मिश्रा गांवों के दौरे पर पहुंचे। लंबे समय से अनसुनी समस्याएं लोगों ने विधायक के सामने बेझिझक रखीं, लेकिन सबसे तीखा विरोध प्लांट के कोयला डम्प को लेकर देखने को मिला। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार की मनमानी ने पूरे इलाके को धूल और प्रदूषण में झोंक दिया है। ग्रामीणों के मुताबिक कोयला डम्पिंग बिना किसी सुरक्षा इंतजाम और मानक प्रक्रिया के की जा रही है। इससे घरों, खेतों और पेड़-पौधों पर काले धूल की मोटी परत जम गई है। लोग धूलकणों की वजह से आंख, सांस और त्वचा संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने विधायक से कहा कि हमारा जीना मुश्किल हो गया है, खेत बर्बाद हो रहे हैं, बच्चे बीमार पड़ रहे हैं, फिर भी ठेकेदार अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहा है। स्थिति की गंभीरता देखते हुए विधायक आनंद मिश्रा मौके पर ही ठेकेदार से फोन पर बात में सख्त हो गए। उन्होंने पूछा कि बिना बेसिक व्यवस्था, ढलान, पानी के छिड़काव और सुरक्षा कवच के डम्पिंग आखिर शुरू कैसे कर दी गई। विधायक ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि तत्काल सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो विभागीय स्तर पर कड़ी कार्रवाई तय है। कोयला डम्प ही नहीं, ग्रामीणों ने अन्य मुद्दों पर भी अपनी नाराजगी जताई। अचानक बढ़ाए गए होल्डिंग टैक्स को लोगों ने ह्लअनुचित बोझह्व बताया। किसानों ने शिकायत की कि जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से हर साल फसलें जलजमाव में बर्बाद हो जाती हैं। चौसा बाजार में बढ़ते अतिक्रमण से आवागमन बाधित है, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की नौबत आती है। पैक्स में धान खरीद को लेकर भी सवाल उठे, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एक ही परिवार के नाम पर कई बार खरीद दर्ज कर अनियमितता को बढ़ावा दिया जा रहा है। विधायक ने सभी शिकायतें गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि इनमें से हर मुद्दा संबंधित विभागों और अधिकारियों के सामने मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और जल्द ही समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। चौसा के गांवों में इस दौरे ने एक बार फिर सामने ला दिया है कि कोयला डम्प से लेकर टैक्स और जलनिकासी तक कई समस्याएं वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ी हैं। लेकिन ग्रामीणों को उम्मीद है कि विधायक के हस्तक्षेप के बाद अब कार्रवाई होगी और उनकी जिंदगी फिर से सामान्य पटरी पर लौटेगी।

वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर संयुक्त कार्रवाई में 699 पेटी शराब बरामद, ट्रक में बना था स्टील का बड़ा गुप्त बॉक्स, चालक और खलासी गिरफ्तार

खाद की बोरियों के नीचे लिकर फोर्ट : बक्सर पुलिस ने 60 लाख की विदेशी शराब पकड़ी, हरियाणा-बिहार नेटवर्क का

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गुरुवार को वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने एक ऐसी कार्रवाई की, जिसने हरियाणा से बिहार तक फैले अवैध शराब तस्करी के नेटवर्क की चालाकी को पूरी तरह बेनकाब कर दिया। पहली नजर में खाद से भरा दिखाई देने वाला 16 चक्का ट्रक असल में देशी-विदेशी ब्रांड की 699 पेटी शराब से लबालब भरा हुआ था। ऊपर खाद की बोरियों की मोटी परत और भीतर स्टील का बड़ा गुप्त चौम्बर, पूरी तस्करी को हाई-टेक तरीके से अंजाम देने की साजिश थी। लेकिन पुलिस की सूझबूझ और गुप्त सूचना ने इस खेल को पूरी तरह चौपट कर दिया।

60 लाख से अधिक कीमत, 6165 लीटर विदेशी शराब बरामद

उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 6165 लीटर है, जिसकी बाजार कीमत 60 से 70 लाख रुपए आंकी गई है। बरामद शराब में 200 पेटी रॉयल चौलेंज (750 एमएल), 50 पेटी रॉयल चौलेंज (350 एमएल), 350 पेटी रॉयल ग्रीन (180 एमएल) और 99 पेटी रॉयल ग्रीन (750 एमएल) की पेटियां शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह ट्रक हरियाणा से बिहार में एंट्री लेते ही खास लोकेशन पर छोड़ दिया जाता था, जहां से आगे शराब की सप्लाई छोटे-छोटे चौनल के माध्यम से होती थी। यानी यह एक बेहद संगठित और सक्रिय नेटवर्क था, जो लंबे समय से बिहार की शराबबंदी के बावजूद नए-नए तरीके अपनाकर तस्करी करता रहा है।

ऊपर खाद की बोरियां, अंदर स्टील का सीक्रेट कंटेनर

तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए ट्रक के ऊपरी हिस्से में बड़ी मात्रा में खाद की बोरियां लदी थीं। इन बोरियों के नीचे ट्रक बॉडी में लोहे का एक मजबूत और विशाल गुप्त बॉक्स बनाया गया था। ऐसा बॉक्स कार्गो स्कैनिंग से भी बच सकता है, और बाहर से देखने पर बिल्कुल सामान्य मालवाहक वाहन जैसा प्रतीत होता है। पुलिस के अनुसार, यह सेटअप आम तौर पर पेशेवर तस्करी गिरोह द्वारा ही बनाया जाता है, जिसमें ट्रक को विशेष रूप से मॉडिफाई किया जाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि तस्करी का यह रैकट बेहद मजबूत, तकनीकी और योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है।

दो गिरफ्तार, तस्करी की बड़ी कड़ियों पर पुलिस की नजर

कार्रवाई के दौरान ट्रक के चालक गौरव कुमार (उड़ा, मतलोड़ा, पानीपत) और खलासी मोहित कुमार (नयाबास, रोहतक) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्हें ट्रक में सिर्फ खाद लदा होने की जानकारी दी गई थी और उनका काम केवल वाहन को बिहार की सीमा तक पहुंचाना था। इससे साफ है कि असली मास्टरमाइंड और नेटवर्क की बड़ी कड़ियां अभी पर्दे के पीछे हैं, जिन तक पहुंचने के लिए पुलिस टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

बिहार में शराबबंदी लागू, लेकिन तस्करी के हथकंडे लगातार हाई-टेक

अधिकारियों ने माना कि हरियाणा-बिहार शराब तस्करी गिरोह लगातार सक्रिय रहता है और तस्करों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे तरीके दिन-ब-दिन ज्यादा चतुर और तकनीकी होते जा रहे हैं। लेकिन हालिया छापेमारियों और गुप्त निगरानी के कारण विभाग ने पिछले महीनों में कई बड़ी खेपों को पकड़ा है, जिससे तस्करों को लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है।

निगरानी और सख्ती बढ़ी, तस्करों में खौफ

वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर हुई यह कार्रवाई न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह भी संकेत है कि सीमाई इलाकों पर पुलिस की मजबूत निगरानी के कारण तस्करों के लिए अब पुराने तरीके कारगर नहीं रह गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि अब ऐसे गुप्त चैंबरों वाले ट्रकों, कंटेनरों और मॉडिफाइड वाहनों पर विशेष निगरानी बढ़ाई जा रही है।

220 ग्राम गांजा संग तस्कर गिरफ्तार पुलिस का जीरो टॉलरेंस अभियान तेज

पंचायत स्तर पर पुलिस की बड़ी पहलः डुमरांव में शुरू होगी घरझ्रघर समस्याओं के समाधान की मुहिम

केटी न्यूज/डुमरांव

ग्रामीणों को थाने के चक्कर से मुक्ति दिलाने और उनकी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर ही सुलझाने के उद्देश्य से डुमरांव पुलिस एक नई पहल की शुरूआत करने जा रही है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में क्षेत्र के सभी पंचायतों में जल्द ही व्यापक निवारण एवं जनसुनवाई शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस योजना का मकसद है, थाने से जुड़े लंबित मामलों, आवेदनों और शिकायतों को गांव-गांव में ही सुनकर तत्काल समाधान उपलब्ध कराना।

सूत्रों के अनुसार लाखनडिहरा, सुरौंधा, नेनुआ समेत थानाक्षेत्र के सभी पंचायतों को चरणबद्ध तरीके से इस अभियान में शामिल किया जाएगा। इन शिविरों में पुलिस की विशेष टीम मौके पर पहुंचकर चरित्र प्रमाणपत्र सत्यापन, आपसी शिकायतों का निपटारा, पारिवारिक विवादों पर बातचीत, सामाजिक तनाव की रोकथाम और जमीनी विवादों की समीक्षा जैसे मामलों को प्राथमिकता देगी। खासकर भूमि विवाद से जुड़े मामलों को चिन्हित कर उच्च वरीय विभागों को अनुशंसित किया जाएगा, ताकि उनका त्वरित निपटारा सुनिश्चित हो सके।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि शिविरों के दौरान ग्रामीण किसी भी प्रकार की अपराध संबंधी सूचना सीधे पुलिस तक पहुंचा सकेंगे, और सबसे अहम बात-सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। थानाध्यक्ष सिन्हा का मानना है कि इस भरोसेमंद व्यवस्था से अपराध नियंत्रण मजबूत होगा और जनता-पुलिस के बीच संवाद और विश्वास भी बढ़ेगा।

उन्होंने बताया कि इस मुहिम का सबसे बड़ा लक्ष्य है लोगों को उनकी ही पंचायत में समाधान उपलब्ध कराना। इससे न केवल उनकी समस्याएं कम होंगी बल्कि थाने के अनावश्यक चक्कर से भी राहत

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

खेत गए चार परिवारों के घरों में भीषण आग, सभी के आशियाना राख

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के हरपुर पंचायत स्थित ददुरा चिंतामनपुर डेरा गांव में गुरुवार को लगी भीषण आग ने चार परिवारों का आशियाना पल भर में छीन लिया। गांव की बिंदा देवी, धर्मेंद्र चौधरी, सुरेंद्र चौधरी और सोना देवी के झोपड़ीनुमा घर आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर राख हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार गांव में इन दिनों धान कटनी का काम चल रहा है। इसी कारण सभी परिवार अपने-अपने दरवाजे बंद कर पशुओं को चारा-पानी देकर खेतों की ओर चले गए थे। इसी दौरान अचानक उठी चिंगारी ने उनके घरों को आग की चपेट में ले लिया। आसपास किसी के मौजूद न होने के कारण आग काफी देर तक अनियंत्रित रूप से फैलती रही।

कुछ समय बाद धुआं और लपटें देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने शोर मचाते हुए तत्काल मौके पर पहुंच समरसेबल चालू किया और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक घरों में रखा बिछावन, बर्तन, कपड़े व खाने का अनाज पूरी तरह नष्ट हो चुका था।

पीड़ित परिवारों ने थाने में लिखित आवेदन देकर सनहा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं परिजनों ने इसकी सूचना अंचल कार्यालय को भी दे दी है। आग से घर उजड़ जाने के बाद सभी प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और प्रशासनिक मदद की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

नई जिलाधिकारी श्रीमती सहिला ने संभाला कार्यभार

समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुआ अभिनंदन समारोह

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गुरुवार को प्रशासनिक कार्यों की नई जिम्मेदारी संभालते हुए श्रीमती सहिला, भारतीय प्रशासनिक सेवा (2018 बैच), ने जिले की नई जिलाधिकारी के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह दायित्व डॉ. विद्यानंद सिंह से प्राप्त किया, जो अब तक जिले का प्रशासनिक नेतृत्व संभाल रहे थे।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी महोदया के सम्मान में एक गरिमामय अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह की शुरूआत औपचारिक स्वागत के साथ हुई, जिसका संचालन विकास पदाधिकारी आलमा मुख्तार ने किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के लगभग सभी वरीय पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी, बक्सर अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसके साथ ही सभी प्रखंडों के पदाधिकारी भी समारोह का हिस्सा बने। समारोह को सौहार्दपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न बताया गया। अपने प्रथम संबोधन में नये जिलाधिकारी सहिला ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार जताया तथा कहा कि बक्सर जिले को विकास की नई दिशा देने के लिए सामूहिक समर्पण और टीम भावना अनिवार्य है। उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, अनुशासन और संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक नागरिक तक शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि वे क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए सक्रियता दिखाएं और आमजन से संवाद बनाए रखें, ताकि शासन और जनता के बीच विश्वास मजबूत हो सके। उन्होंने साफ किया कि जिले में सुशासन को और सुदृढ़ करने के लिए हर विभाग को निष्ठा और दक्षता के साथ कार्य करना होगा। समारोह के अंत में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने नई जिलाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बक्सर प्रशासन में उनके आगमन को नए उत्साह और सकारात्मक बदलाव की आशा के रूप में देखा जा रहा है।

विधायक राहुल सिंह पर भरोसा, जनता एग्रीमेंट के वादों के पूरा होने की उम्मीदें : रवि उज्ज्वल

- भेदभाव मिटाने और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया

केटी न्यूज/डुमरांव

जनता एग्रीमेंट पदयात्रा के दौरान किए गए वादों को लेकर जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने विधायक राहुल सिंह पर पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के समय संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वयं विधायक राहुल सिंह ने आश्वस्त किया था कि पदयात्रा के दौरान विभिन्न पंचायतों और वार्डों में जनता से किए गए हर वादे को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। रवि उज्ज्वल ने कहा कि पदयात्रा के दौरान डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के 32 पंचायतों और नगर के 35 वार्डों में जाकर जनता की समस्याओं को सुना गया था। उस दौरान तैयार किए गए ह्लस्टॉप एग्रीमेंटह्व में विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें शामिल थीं। उनका कहना है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि विधायक राहुल सिंह जनता से किए गए इन संकल्पों को धरातल पर उतारने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जनता एग्रीमेंट सिर्फ एक चुनावी दस्तावेज नहीं था बल्कि लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं का संकल्पपत्र था। रवि उज्ज्वल ने दोहराया कि राहुल सिंह बिना भेदभाव के सभी जाति-धर्म के लोगों को साथ लेकर काम करेंगे और विकास कार्यों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाएंगे।

सभी पंचायतों और वार्डों की समस्याओं के समाधान पर रहेगा फोकस

जदयू नेता ने बताया कि डुमरांव क्षेत्र में कई वर्षों से लंबित समस्याएं हैं, चाहे वह सड़क, जलनिकासी, शिक्षा, स्वास्थ्य या रोजगार से जुड़ी हों। जनता एग्रीमेंट के माध्यम से इन मुद्दों की पहचान की गई थी और उन्हें प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है। उनका कहना है कि अब समय आ गया है कि इन समस्याओं का स्थायी समाधान हो। रवि उज्ज्वल ने कहा कि उन्हें पूर्ण उम्मीद है कि विधायक राहुल सिंह जनता के भरोसे पर खरे उतरेंगे तथा चरणबद्ध तरीके से पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास का माहौल तैयार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जनता एग्रीमेंट में जिस पारदर्शिता और जवाबदेही की बात कही गई थी, वह आगे भी कायम रहेगी। उन्होंने अंत में कहा कि विकास की यह नई प्रक्रिया डुमरांव को एक नई दिशा देगी और क्षेत्र की जनता अपने जनप्रतिनिधि से सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखती है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

मध्यरात्रि फोरलेन पर सीमेंट लदी ट्रेलर में अचानक लगी आग, पुलिस की फुर्ती से बची सैकड़ों जिंदगियां

- **अचानक अनियंत्रित हो पलट गई थी टेज्लर, दुर्घटना के बाद पूरी तरह से आग गोला बन गई थी टेज्लर**

केटी न्यूज/डुमरांव

पटना-बक्सर फोरलेन पर बुधवार की मध्य रात्रि चंदा गांव के पास ऐसा मंजर देखने को मिला, जिसने राहगीरों की सांसें थम गई। लगभग रात 12 बजे एक तेज गति से गुजर रहे सीमेंट लदे ट्रेलर की ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के कुछ ही पल बाद ट्रेलर के पिछले हिस्से से धुआं उठना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। ट्रेलर का केबिन आग की लपटों में घिरने लगा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

स्थिति इस कदर भयावह हो चुकी थी कि राहगीरों को लगने लगा कि यदि आग ट्रेलर के पूरे ढांचे में फैल गई, तो धमाका भी हो सकता है। लेकिन ठीक उसी समय चालक और खलासी ने सूझबूझ का परिचय देते हुए त्वरित निर्णय लिया और जलते ट्रेलर की चपेट में आने से पहले कूदकर अपनी जान बचाई। दोनों के सकुशल होने की खबर से मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

उधर स्थानीय ग्रामीणों ने बिना देर किए घटना की सूचना नया भोजपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष चंदन कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। तेज हवा के बीच आग लगातार विकराल हो रही थी, लेकिन पुलिस टीम ने समय गंवाए बिना आसपास के ढाबों से बोरिंग का पानी मंगवाया और आग वाले हिस्से पर लगातार पानी डलवाकर लपटों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास शुरू कर दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने शुरूआती स्तर पर आग को फैलने से रोक दिया। इसी बीच अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और दमकलकर्मियों ने करीब ढाई घंटे तक संयुक्त रूप से राहत और बुझाव कार्य चलाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद अंततः आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

सबसे बड़ी राहत यह रही कि भीषण आग के बावजूद जानमाल की क्षति नहीं हुई। ट्रेलर को सड़क किनारे सुरक्षित कर दिया गया और फोरलेन पर यातायात को सामान्य किया गया। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला शॉर्ट सर्किट का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि चालक, खलासी और पुलिस तथा दमकल टीम की त्वरित सक्रियता ने एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया।

पंचायत समिति बैठक में दो विधायकों की मौजूदगी में भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य संकट और फंड की कमी पर उठी गूंज

डुमरांव अंचल के खिलाफ लगातार मिल रही है शिकायतें, कार्यशैली सुधारे अधिकारी : राहुल सिंह

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरुवार को डुमरांव प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में आयोजित पंचायत समिति की बैठक अचानक एक सामान्य बैठक से निकलकर जनसमस्याओं पर तीखी बहस का अखाड़ा बन गई। प्रखंड प्रमुख अनुपा देवी की अध्यक्षता और बीडीओ संदीप कुमार पांडेय के संचालन में शुरू हुई इस बैठक में राजपुर के विधायक संतोष निराला और डुमरांव के विधायक राहुल सिंह की उपस्थिति ने माहौल को और भी गंभीर बना दिया। शुरूआत में दोनों विधायकों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया, लेकिन उसके बाद जो मुद्दे उठे, उन्होंने पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गहरे सवाल खड़े कर दिए। बैठक की शुरूआत स्वास्थ्य विभाग से हुई। पीएचसी पदाधिकारी डॉ. आर. बी. प्रसाद ने साफ कहा कि शहरी क्षेत्र में तीन स्वास्थ्य केंद्र बनाने हैं, लेकिन महीनों बीतने के बावजूद भूमि चिह्नित नहीं हो सकी है। वहीं कसिया की मुखिया ने पंचायत स्वास्थ्य केंद्र में छह महीने से सीएचओ की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों को हो रही परेशानियों पर अधिकारी की सफाई यह रही कि दो एएनएम फिलहाल काम देख रही हैं, लेकिन यह जवाब सदन को संतुष्ट नहीं कर सका।

अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार की गूंज, कर्मचारी संजय यादव पर विधायक का सख्त रुख

बैठक में अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार और शहरी क्षेत्र के कर्मचारी संजय यादव की कार्यशैली पर अनेक सदस्यों ने गंभीर आरोप लगाए। डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने भी इसे स्वीकारते हुए कहा कि डुमरांव अंचल की शिकायतें सबसे ज्यादा आती हैं। उन्होंने संजय यादव के खिलाफ की गई शिकायतों को प्रोसिडिंग में दर्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि डुमरांव जैसे बड़े प्रखंड में स्थायी सीओ होना चाहिए, जबकि फिलहाल आरओ ही सीओ का प्रभार संभाल रहे हैं, जो व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है।

परवरिश योजना के लंबित आवेदनों पर भी खिंची अधिकारी की जवाबदेही

परवरिश योजना के अनेक आवेदन लंबे समय से लंबित पड़े हैं। इस पर भी विधायकों ने संबंधित अधिकारी से कड़ा स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया। वहीं, बीडीओ संदीप पांडेय ने विधायकों के समक्ष फंड कटौती की गंभीर समस्या रखी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष पंचायत समिति के पास कुल 1.5 करोड़ रुपये थे, लेकिन इस वर्ष मात्र 55 लाख (15वां वित्त) और 44 लाख (षष्ठम वित्त) यानी लगभग आधी राशि ही मिली है। 21 पंचायतों वाले बड़े प्रखंड के लिए यह राशि नाकाफी है। इस पर दोनों विधायकों ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को विधान सभा तक उठाया जाएगा।

आरटीपीएस काउंटर और कृषि विभाग भी कठघरे में

कई मुखियाओं ने आरटीपीएस काउंटर के अनियमित संचालन की शिकायत की। जबकि बीपीआरओ ने संचालन का दावा किया, लेकिन मुखियाओं ने इसे गलत बताते हुए कहा कि औचक निरीक्षण ही सच्चाई सामने लाएगा। कृषि विभाग पर भी सदस्यों ने आरोप लगाए कि इस बार वितरित किए गए बीज खेतों में अंकुरित ही नहीं हो रहे हैं। विधायक संतोष निराला ने बीज सप्लाई करने वाले वेंडर की जांच कराने की मांग की। खाद आपूर्ति में अनियमितता के आरोप भी सामने आए। साथ ही कोरान सराय पंचायत के पांच कृषि फीडर ट्रांसफार्मर तत्काल चालू करने का निर्देश भी बैठक में दिया गया।

एक नजर

डुमरांव नगर परिषद के पूर्व उपमुख्य पार्षद के भाई का निधन, शोक में डूबा शहर

डुमरांव । डुमरांव नगर परिषद के पूर्व उपमुख्य पार्षद एवं राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल, डुमरांव के निदेशक ब्रह्मा ठाकुर के छोटे भाई विष्णु ठाकुर का गुरुवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे शहर में शोक की लहर फैल गई।

विष्णु ठाकुर का परिवार डुमरांव के प्रतिष्ठित एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े परिवारों में गिना जाता है। स्वयं ब्रह्मा ठाकुर वर्षों तक नगर परिषद से जुड़े रहे हैं और एक बार उपमुख्य पार्षद के पद पर भी निर्वाचित हुए थे। नगर की खेलकूद, सांस्कृतिक तथा सामाजिक गतिविधियों में भी उनका परिवार सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। इन सभी आयोजनों में विष्णु ठाकुर, ब्रह्मा ठाकुर के साथ महत्वपूर्ण योगदान देते थे, जिसके कारण शहर में उनकी अलग पहचान थी।

गुरुवार की दोपहर जब उनके निधन की सूचना डुमरांव पहुंची, तो उनके आवास पर लोगों का तांता लग गया। नगर के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, खेलकूद से जुड़े लोगों तथा आम नागरिकों ने पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। परिवार के सदस्यों ने बताया कि दिल्ली से शव को लेकर स्वजन डुमरांव के लिए रवाना हो चुके हैं।

परिवारिक सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की शाम विष्णु ठाकुर का अंतिम संस्कार किया जाएगा। वे अपने पीछे पिता भूटी ठाकुर, भाई ब्रह्मा ठाकुर व महेश ठाकुर, पत्नी, पुत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से शहर ने एक सामाजिक रूप से सक्रिय और विनम्र स्वभाव वाले व्यक्तित्व को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

आज भी पगडंडियों के सहारे घर पहुंचने को मजबूर वार्ड 13 के नागरिक

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 13 में आज भी दर्जनों से अधिक परिवार पगडंडियों के सहारे अपने घरों तक आने-जाने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से पक्की सड़क की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक उनकी समस्या पर किसी भी जनप्रतिनिधि या विभाग ने ध्यान नहीं दिया है। लगातार हो रही उपेक्षा के कारण ग्रामीणों को बरसात हो या धूप, कीचड़भरे और संकरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थानीय निवासी बिजंती दैवी, बिरेंद्र बीन, सुदामा बीन, बबन बीन सहित कई लोगों ने बताया कि वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है। पक्की सड़क न होने की वजह से किसी भी आपात स्थिति में एंबुलेंस और वाहन घर तक नहीं पहुँच पाते, जिससे कई बार गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है।

लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पक्की सड़क निर्माण की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्या का समाधान निकाला जाए। नागरिकों का स्पष्ट कहना है कि अब वे वादों और आश्वासनों के भरोसे नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहते हैं। वार्ड 13 के लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार उनकी आवाज जिम्मेदारों तक पहुँचे और लंबे समय से चली आ रही इस बुनियादी समस्या का समाधान मिले। इस सम्बंध में वार्ड 13 के वार्ड पार्षद छोटेलाल चौधरी ने बताया कि इसके लिए पूर्व में योजना दी गई है। वही, नगर पंचायत पदाधिकारी से बात करनी चाही उनसे बात न हो सकी।

डुमरांव को ओडीएफ बनाने की मुहिम तेज : ब्रांड एम्बेसडर अजय राय ने जरूरतमंद परिवार को शौचालय सीट सौंप दी सौगात

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर को शौच मुक्त बनाने की दिशा में डुमरांव नगर के स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय ने गुरुवार को एक नई और सराहनीय पहल की शुरूआत की। ह्लस्वच्छ भारत मिशनह्व के तहत स्वच्छ नगर-स्वस्थ नगर के संदेश के साथ उन्होंने जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क शौचालय सीट उपलब्ध कराकर लोगों से खुले में शौच की प्रथा को पूरी तरह छोड़ने की अपील की। अभियान की पहली कड़ी के रूप में नगर की रहने वाली दुर्गा देवी को शौचालय सीट सौंपी गई। सीट मिलते ही उनके परिजनों के चेहरे पर खुशी झलक उठी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब वे किसी भी हाल में खुले में शौच नहीं

जाएंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

अजय राय ने बताया कि खुले में शौच करना न केवल अस्वच्छता फैलाता है, बल्कि आसपास गंदगी, बदबू और मच्छर-मक्खियों के पनपने की वजह बनता है, जिससे कई तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं। उन्होंने कहा कि अगर हर परिवार स्वच्छता के इस मूल नियम को अपनाए, तो डुमरांव को जल्द ही पूर्णतः ओडीएफ बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि नगर तथा आसपास के गांवों में लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का भी सहारा लिया जाएगा, ताकि संदेश सीधे आमजन तक प्रभावी तरीके से पहुंच सके। इसके साथ ही सरकार की ओर से विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक शौचालयों के निर्माण का कार्य भी तेजी से जारी है, जिससे लोगों को सुविधा मिल सके।

गौरतलब है कि अजय राय लंबे समय से नगर में स्वच्छता को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। उनकी पहल से न केवल गलियों और सड़कों में साफ-सफाई बढ़ी है, बल्कि लोगों की सोच में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के प्रयास अगर लगातार होते रहें, तो डुमरांव को स्वच्छ और सुंदर बनाना अब कोई दूर की बात नहीं रह जाएगी।

नामांकन से वंचित बच्चों की पहचान को लेकर डुमरांव में एकदिवसीय प्रशिक्षण

- **शिक्षकों को दिए गए सरकारी दिशा-निर्देश, कोर कमिटी गठन से लेकर सामाजिक सहयोग तक पर हुई विस्तृत चर्चा**

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड संसाधन केन्द्र डुमरांव की ओर से गुरुवार को राज प्लस टू उच्च विद्यालय के सभाकक्ष में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसे बच्चों की पहचान करना था, जो किसी कारणवश अब तक विद्यालयी शिक्षा से वंचित हैं। इन बच्चों को चिन्हित कर हर हाल में विद्यालय की मुख्यधारा से जोड़ने को लेकर शिक्षकों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) सुधांशु कुमार ने राज्य एवं केन्द्र सरकार की ओर से जारी सभी नए नियमों और निर्देशों की गहन जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे। इसके लिए विद्यालय स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी है। इसी क्रम में शिक्षकों के साथ वृहद स्तर पर संवाद कर उनसे क्षेत्रवार स्थिति की जानकारी ली गई।

उन्होंने बताया कि दिशा-निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में कोर कमिटी का गठन, हेल्प-डेस्क की व्यवस्था तथा समूह बनाकर घर-घर संपर्क करने की प्रक्रिया अनिवार्य है। साथ ही समाज कल्याण विभाग, श्रम संसाधन विभाग, आंगनबाड़ी सेविका, टोला सेवक एवं बीएलओ से समन्वय स्थापित कर ऐसे बच्चों की सटीक पहचान करने पर जोर दिया गया। आमसभा के माध्यम से भी उन बच्चों की जानकारी जुटाई जाएगी, जो किसी कारणवश विद्यालय से दूर हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग कुमार मिश्र, प्रशिक्षण समन्वयक शैलेंद्र पांडेय सहित प्रखंड के लगभग 50 माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षक एवं नोडल शिक्षक उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने विद्यालय क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा की तथा नामांकन बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाने पर सहमति व्यक्त की।

कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि प्रखंड का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा और सभी को विद्यालय तक पहुंचाने के लिए गंभीरता से अभियान चलाया जाएगा।

बक्सर में मिथलेश तिवारी का प्रवास कार्यकर्ताओं संग बैठक में विकास पर जोर

केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं बैकुंठपुर विधायक मिथलेश कुमार तिवारी ने गुरुवार को बक्सर का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिले में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रमों में भाग लेने के पश्चात वे बक्सर अतिथि गृह पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकताओं के साथ विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कार्यकताओं से सीधा संवाद करते हुए तिवारी ने बक्सर और बैकुंठपुर दोनों क्षेत्रों के समग्र विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि बक्सर की जनता ने लोकसभा चुनाव में उन्हें चार लाख नौ हजार वोट देकर जो विश्वास जताया था, वह उनके प्रति कर्तव्यबद्ध करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बक्सर को बनारस की तर्ज पर विकसित करने की योजना उनके मन में आज भी आकार ले रही है और इस दिशा में प्रयत्न जारी है।

तिवारी ने कहा कि एनडीए सरकार बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और बक्सर भी उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचित विधायकों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि जनप्रतिनिधि मिलकर क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और उनके संभावित समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर हिमांशु चतुर्वेदी, सौरभ तिवारी, सतीष चन्द्र त्रिपाठी, अनिल पांडेय, अमर गोंड, हिरामन पासवान, दिनेश सिंह, अजय वर्मा, अजय भट्ट, कमलेश्वर सिंह, जयप्रकाश चौबे, पाण्डे लाल सिन्हा, अजय भास्कर, श्रवण तिवारी, शुशील राय, पुनीत सिंह तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन को लेकर जिलाधिकारी ने सुरक्षा-व्यवस्था का लिया जायजा

■ जलाशय डैम और सोलर प्लांट के विकास योजना तैयारियों का किया निरीक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

जिला क्षेत्र के रजौली प्रखंड में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने गुरुवार को हरदिया पंचायत स्थित चिरैला विद्यालय,फुलवरिया डैम के अलावे आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान विधायक विमल राजवंशी,एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन,एसडीपीओ गुलशन कुमार, बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी,थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार एवं लोक स्वच्छता पदाधिकारी राहुल कुमार भी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री आगमन को लेकर हरदिया क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री का आगमन शुक्रवार को चिरैला विद्यालय के मैदान परिसर में हेलीकॉप्टर से होगा। जिसके लिए हेलीपैड का भी निर्माण कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लोकार्पण के बाद जमीन पर तैयारियों को परखने के लिए डीएम ने सभी स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सबसे पहले चिरैला

विद्यालय पहुंचे,जहां हेलीपैड निर्माण कार्य का जायजा लिया।उसके बाद फुलवरिया डैम पहुंचे,जहां पानी की सतह पर तैरते हुए सौर ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन प्लांट का जायजा लिया।यह प्लांट जिले में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।साथ ही मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान इस फ्लोटिंग सोलर प्लांट के उत्पादन व तकनीक का अवलोकन करेंगे एवं पर्यटक स्थल बनाने को लेकर निर्णय लेंगे। इसके बाद जिलाधिकारी रजौली प्रखंड के बहादुरपुर स्थित कारीगांव कृषि विभाग केंद्र पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री की पिछली प्रगति यात्रा के दौरान कृषि विभाग की भूमि पर डिग्री कॉलेज खोलने की घोषणा की गई थी। डीएम ने कॉलेज निर्माण के लिए उपलब्ध भूमि और तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों को सभी कागजी प्रक्रिया और स्थल जांच जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में भड़रा के औद्योगिक केंद्र के लिए चयनित भूमि का भी निरीक्षण किया गया। यहां उद्योगों के लिए समर्पित एक नए औद्योगिक केंद्र की स्थापना की योजना है, जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। डीएम ने स्थल विकास, पहुंच मार्ग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। रजौली में मुख्यमंत्री का यह दौरा जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है,इसलिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण तत्परता से करें। वही प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

परीक्षा में एक अभ्यर्थी को मदद करने के लिए पहुंचा था फर्जी पदाधिकारी

उद्भेदन : सिपाही भर्ती परीक्षा केन्द्र में नकल कराने पहुंचा फर्जी कोषागार पदाधिकारी हुआ गिरफ्तार

■ 10 लाख रुपए के डील पर सेटर द्वारा अभ्यर्थी को पास कराने का था सेटिंग

केटी न्यूज/रोहतास

डेहरी प्रखंड क्षेत्र के इंद्रपुरी थाना के कटार स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में बने सिपाही भर्ती परीक्षा केंद्र पर परीक्षा में नकल कराने पहुंचा फर्जी पदाधिकारी हुआ गिरफ्तार। इस संबंध में रोहतास एसपी रौशन कुमार के प्रेस सूचना जारी कर बताया कि परीक्षा के दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आयोजित परीक्षा केन्द्र डीएवी पब्लिक स्कूल कटार में एक व्यक्ति अपने आप को वरीय कोषागार पदाधिकारी बता कर परीक्षा केन्द्र में फजीर्वाड़ा कर एक अभ्यर्थी को परीक्षा में मदद करने के लिए

परीक्षा केन्द्र के अंदर प्रवेश हुआ है। जिसका सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह सहायक पुलिस अधीक्षक-वन डेहरी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम से प्राप्त हुई आसूचना की जांच कराई गई। जिसके बाद इस केन्द्र से अशोक कुमार नाम के एक व्यक्ति जो कि अपने आप को वरीय कोषागार पदाधिकारी सचिवालय विकास भवन,पटना बता रहे थे। जिसके बाद उसे अभिरक्षा में लिया गया। अभिरक्षा में लिए गए अभ्यर्थी विकाश कुमार एवं अशोक कुमार के पास मौजुद कागजातों एवं उनके परिचय पत्र की जांच की गई तो सभी कागजात एवं परिचय पत्र फर्जी पाये गयें। जिसके उपरांत उनसे इस संबंध में गहन पुछताछ की गई, तो उनके द्वारा खुलासा करते हुए बताया गया की इस परीक्षा केन्द्र के कमरा नं. 06 में एक अभ्यर्थी विकाश कुमार को परीक्षा में मदद पहुंचाने के लिए फर्जी वरीय कोषागार पदाधिकारी बनकर आये हैं। उनके साथ उनका ड्राईवर एवं अन्य व्यक्ति भी इस फजीर्वाड़ा में उनके सहयोगी के रूप में शामिल है। जो परीक्षा केन्द्र के अन्दर ही उनके स्कॉर्पियों गाड़ी में बैठे है। वही पुछ-ताछ में अशोक कुमार द्वारा बताया गया की परीक्षा दे रहे अभ्यार्थी विकाश कुमार को उन्होने चालाकी से नकल करने के आरोप में पकड़ कर ओएमआर एवं प्रश्न पुस्तिका के साथ उनके कमरे से निकलकर ओएमआर एवं प्रश्न पुस्तिका उनसे लेकर उन्हे बाथरूम में रहने के लिए कहा। साथ ही अशोक कुमार द्वारा बताया गया की परीक्षा दे रहे अभ्यार्थी विकाश कुमार को उन्होने चालाकी से नकल करने के आरोप में पकड़ कर ओएमआर एवं प्रश्न पुस्तिका के साथ उनके कमरे से निकलकर ओएमआर एवं प्रश्न पुस्तिका उनसे लेकर उन्हे बाथरूम में रहने के लिए बोले तथा उसी बीच चुपके से परीक्षा केन्द्र में स्कॉर्पियों में मौजूद अपने सहयोगी से उसका प्रश्न पत्र हल कराकर अभ्यर्थी विकाश कुमार को हल कराया हुआ प्रश्न पत्र एवं ओएमआर शीट परीक्षा केन्द्र के बाथरूम में जाकर अभ्यर्थी विकाश कुमार को दे दिए है, जहां वह अपना ओएमआर शीट को भर रहा हैं।अशोक कुमार को बताये अनुसार परीक्षा केन्द्र के एक बाथरूम से अभ्यार्थी विकाश कुमार को प्रश्न पत्र एवं ओएमआर शीट के साथ गिरफ्तार किया गया, तथा परीक्षा केन्द्र के ग्राउंड में मौजुद एक स्कॉर्पियो गाड़ी के अन्दर बैठे दो व्यक्ति संतोष कुमार एवं ललेन्द्र कुमार को भी गिरफ्तार किया गया।। जबकि गिरफ्तार अभ्यार्थी विकाश कुमार पुछ-ताछ के क्रम में बताया है की उसके द्वारा इस परीक्षा में पास कराने के लिए अशोक कुमार से 10 लाख रुपए में बात तय हुई थी,जिसमें से इनके द्वारा 2.50 लाख रुपए दिया गया है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों से उनके पुर्व के अपराधिक इतिहास के संबंध में जांच की जा रही है।

बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी कर विभाग ने ठोका लाखों का जुर्माना

बकायेदार उपभोक्ता जल्द करें बिल भुगतान वरना बिजली चोरी में होगी जेल : राजकुमार

केटी न्यूज/रोहतास

बकायेदार उपभोक्ताओं एवं विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रखंड सूर्यपुरा अंतर्गत ग्राम अगरेर खुर्द का कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम मे पाया गया की कुछ उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन बकाया रहने के कारण अस्थायी रूप से विच्छेद कर दिया गया था परन्तु बिना बकाया राशि एवं पुनः विद्युत संयोजन शुल्क जमा किये हुए अवैध ढंग से विद्युत ऊर्जा का उपभोग करने को लेकर दिनेश राम पर 53694 रुपए, गुप्तेश्वर बढ़ई पर 62224 रुपए, प्रभंजन राम पर 60058 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। आगे बता दें की मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर अगरेर खुर्द के ही उपभोक्ता बीरेंद्र पाण्डेय पर 66847 और ललन धोबी पर 22834 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनका बकाया पर लाइन कटा हुआ है। वह अपना बकाया राशि एवं पुनः कनेक्शन शुल्क जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें। ताकि उपभोक्ता अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बच सके। दूसरी तरफ बिक्रमगंज सहायक अभियंता राजकुमार ने बताया कि जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं, वह तत्काल कनेक्शन करा लें, अन्यथा छापेमारी अभियान में पकड़े जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ भारी जुमार्ना वसूला जायेगा।

बालू माफिया से यारी पुलिस अधिकारियों को पड़ेगी भारी, डिप्टी सीएम ने दी सख्त हिदायत

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह खान एवं भू-तत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि राज्य सरकार अवैध खनन, अवैध परिवहन तथा इस पूरे तंत्र में शामिल किसी भी व्यक्ति या अधिकारी पर सख्त कार्रवाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि विभाग के निरंतर प्रयासों और नियमित अनुश्रवण के बावजूद कुछ थाना क्षेत्रों से ऐसे मामलों की शिकायतें मिली हैं, जहां बिना नंबर प्लेट वाले बालू लदे ट्रैक्टर आसानी से निकल जा रहे हैं जो कि चिंताजनक है और इस पर तुरंत रोक लगाने के लिए नए निर्देश जारी किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को विशेष अभियान के तहत संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां तत्काल छापेमारी करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि छापेमारी केवल औपचारिकता न होकर, प्रभावी रूप से अवैध परिवहन की कड़ियों को तोड़ने की दिशा में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि

भविष्य में बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की आवाजाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों पर भी दायित्व तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि विभाग की टीम को हर जिले से पर्याप्त सहयोग मिले और साथ ही किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए। विजय कुमार सिन्हा ने यह भी जानकारी दी कि गृह विभाग को इस मामले में विशेष रूप से सक्रिय भूमिका निभाने और पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर–थाना, प्रखंड या अंचल–पुलिसकर्मियों की संलिप्तता या मिलीभगत सामने आती है, तो उसके खिलाफ बगैर देरी कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि खनन व्यवस्था पारदर्शी, नियंत्रित और पूरी तरह विधिसम्मत हो। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा तकनीकी निगरानी बढ़ाई जा रही है, साथ ही जमीनी स्तर पर टीमों को और अधिक सशक्त किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से भी अपील की है कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना विभाग के हेल्पलाइन नंबर - 94722 38821, 0612-2215360 तथा 9473191437 पर देकर बिहारी योद्धा पुरस्कार पाने का सम्मान भी लें। ट्रैक्टर पकड़वाने पर 5,000 रुपये और ट्रक पकड़वाने पर 10,000 रुपये का ईनाम मिलेगा। मीडिया के साथी या बिहारी खनन योद्धा के माध्यम से संज्ञान में राज्य के किसी भी हिस्से में अवैध खनन, परिवहन और बिक्री के मामले यदि आते हैं तो विभाग उस पर सख्त एक्शन लेगा।

एक नजर

पटना में बनेगा देश का पहला और दुनिया का चौथा पावर म्यूजियम, सरकार ने बनाया बड़ा प्लान

पटना । पटना में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार एवं बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रस्तावित ऊर्जा संग्रहालय (पावर म्यूजियम) परियोजना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऊर्जा विभाग के सचिव तथा बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (**NBPDCL**) के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परियोजना की विस्तृत प्रस्तुति देते हुए इसकी संरचना, उद्देश्य और कार्ययोजना पर जानकारी दी। बैठक के दौरान महानिदेशक ने ऊर्जा संग्रहालय की निर्माण अवधि, चयनित एजेंसी की योग्यता और चयन प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। करबिगहिया स्थित बंद पड़े थर्मल पावर प्लांट की लगभग 3 एकड़ जमीन पर इस आधुनिक ऊर्जा संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। यह देश का पहला तथा दुनिया का चौथा समर्पित ऊर्जा संग्रहालय होगा। इसका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े इतिहास, विरासत संरक्षण, शैक्षणिक शोध और पर्यटन को बढ़ावा देना है। बैठक में बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के मुख्य अभियंता (सिविल), कार्यपालक अभियंता अशोक कुमार तथा परियोजना के लिए गठित विशेष समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

बिहार में नए साल से लागू होगी नई कोचिंग नीति, शिक्षा विभाग ने तेज की तैयारी

पटना । बिहार में अब कोचिंग संस्थानों पर सख्ती के साथ नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। शिक्षा विभाग नए साल यानी 2025 के अंतिम सप्ताह तक कोचिंग नीति में संशोधन पूरा कर इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजने की तैयारी कर चुका है। माना जा रहा है कि अगले शैक्षणिक सत्र 2026-27, जिसकी शुरूआत अप्रैल 2026 से होगी, में यह नई नीति पूरे राज्य में लागू हो जाएगी। इस नीति का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों को नियमन में लाना, पारदर्शिता बढ़ाना और छात्रों व अभिभावकों के लिए एक सुरक्षित एवं उचित वातावरण सुनिश्चित करना है।

विधानसभा चुनाव के कारण हुई देरी : शिक्षा विभाग ने पहले इस नई कोचिंग नीति को चालू शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही लागू करने की योजना बनाई थी। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव के कारण यह प्रस्ताव कैबिनेट में लंबित रह गया। प्रस्ताव भेजा तो गया, मगर कुछ बिंदुओं पर संशोधन की जरूरत बताकर इसे वापस कर दिया गया। इसके बाद शिक्षा विभाग ने तेजी से बदलाव करते हुए मसौदा तैयार कर लिया है। अब अंतिम निर्णय के लिए इस नीति को राज्य स्तरीय सक्षम प्राधिकार की सहमति के बाद दोबारा कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। नीति में किए जा रहे संशोधनों का उद्देश्य इसे अधिक कठोर, पारदर्शी और छात्र हित में प्रभावी बनाना है, ताकि कोचिंग सेक्टर में फैली अव्यवस्था, मनमानी फीस और बिना अनुमति चलने वाले संस्थानों पर रोक लगाई जा सके।

सरकारी शिक्षक नहीं पढ़ा सकेंगे कोचिंग में : संशोधित मसौदे में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि कोई भी सरकारी शिक्षक अब किसी भी निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ाने की अनुमति नहीं रखेगा। यदि किसी सरकारी शिक्षक के कोचिंग में पढ़ाने की शिकायत मिलती है और साक्ष्य उपलब्ध होता है, तो शिक्षा विभाग उस पर विभागीय कार्रवाई करेगा। यह प्रावधान पुरानी नियमावली में स्पष्ट रूप से नहीं था, जिस कारण बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षकों के कोचिंग संस्थानों में पढ़ाने के मामले सामने आते थे। इससे न केवल शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होती थी, बल्कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठता था। नई नीति में यह भी उल्लेख है कि किसी सरकारी स्कूल या शिक्षण संस्थान के ठीक पास में कोई कोचिंग संचालित नहीं किया जाएगा। इससे छात्रों को आकर्षित करने के लिए स्कूल समय में कोचिंग चलाने और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर रोक लगेगी।

स्कूल के समय कोचिंग संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित : नई कोचिंग नीति में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि स्कूल संचालन के समय कोचिंग क्लास नहीं चलेंगी। कई जिलों में शिकायत मिलती थी कि सुबह या दोपहर में स्कूल के समय कोचिंग संस्थान अपनी कक्षाएं चलाते हैं, जिससे छात्रों की उपस्थिति प्रभावित होती है। अब ऐसे कोचिंग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तर पर निबंधन की प्रक्रिया होगी मजबूत : कोचिंग संस्थानों को अब जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी से अनुमति लेनी होगी। यह कमेटी कोचिंग संस्थान की पात्रता, स्थान, सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और शिक्षण व्यवस्था का आकलन करेगी। निबंधन के समय ही कोचिंग संचालकों को सभी कोर्स की फीस संरचना की विस्तृत जानकारी देनी होगी। यह जानकारी सार्वजनिक भी करनी अनिवार्य होगी। शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि फीस में पारदर्शिता हो और छात्रों से मनमानी राशि वसूलने की शिकायतें समाप्त हों।

परीक्षा देकर झील घूमने पहुंचे पॉलिटेक्निक छात्र की डूबने से मौत, मचा कोहराम

हवेली। हवेली खड़गपुर नगर क्षेत्र के रमनकाबाद स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक के पंचम सेमेस्टर की परीक्षा देकर गुरुवार को हवेली झील घूमने पहुंचे एक छात्र की नहाने के दौरान डूबकर मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान बेगूसराय जिले के बरौनी के अमरपुर गांव निवासी मनोज राय के 18 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार के रूप में हुई है। वह राजकीय पॉलिटेक्निक खगड़िया का फिफ्थ सेमेस्टर का छात्र था।जानकारी के अनुसार, परीक्षा समाप्त होने के बाद विशाल अपने करीब दस दोस्तों के साथ हवेली खड़गपुर झील घूमने आया था। मुख्य फाटक के पास सभी युवक नहाने लगे। इसी दौरान तैरते समय अचानक विशाल की तबीयत बिगड़ गई और वह गहरे पानी में चला गया। दोस्तों ने शोर मचाते हुए आसपास के लोगों से मदद मांगी। सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोर समदा गांव निवासी बिना बिन्द, पवन कुमार बिन्द और अनिल कुमार बिन्द मौके पर पहुंचे। काफी देर तक मशक्कत के बाद उन्होंने विशाल को झील से बाहर निकाला।

वातावरण और पौधों से लगाव के महत्व पर शिक्षकों द्वारा छात्रों को किया गया जागरूक

■ पर्यावरण संरक्षण के बाद ही हमारा जीवन है सुरक्षित : प्राचार्य

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास : प्रखंड क्षेत्र के पीपीसी माध्यमिकोत्तर विद्यालय,अमझोर के प्रांगण में बृहस्पतिवार को छात्र-छात्राओं को शिक्षकों द्वारा वातावरण सुरक्षा को लेकर पौधों के प्रति लगाव और उनके महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जागरूक किया। जिसको लेकर मोटिवेशन-मोटिवेशनल के प्रति विद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य अरविंद कुमार सिंह ने की। उक्त मौके पर विद्यालय में शैक्षणिक कार्य के पश्चात छात्र-छात्राओं को शिक्षकों के बीच संगोष्ठी स्वरूप बागवानी,फूल,पौधों के सुरक्षा विषय पर विशेष चर्चा की गई। प्राचार्य ने

अपने संबोधन में कहा कि हमारे जीवन में सांस लेने में ऑक्सीजन महत्वपूर्ण योगदान हैं। जिसे पूरा पेड़ पौधे ही करते हुए हमारे जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जिसके बिना जीना असंभव है। उन्होंने प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को समझाया, जिसके माध्यम से पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। साथ वातावरण को प्रदूषण बचाने पर चर्चा कर कहा कि पेड़-पौधे हवा से हानिकारक प्रदूषकों और धूल के कणों को अवशोषित करके हवा को साफ और ताजा रखने में मदद करते हैं। वही पौधों के आवरण वाले क्षेत्र ठंडे रहते हैं क्योंकि पौधे छाया प्रदान करते हैं और वाष्पीकरण के माध्यम से नमी छोड़ते हैं, जिससे तापमान नियंत्रित रहता है। जो पौधे खाद्य श्रृंखला का आधार हैं और कई जीवों, पक्षियों और कीड़ों के लिए भोजन और आश्रय प्रदान करते हैं, जो स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का लाभ

उन्होंने छात्रों को बताया कि प्रकृति और हरियाली के बीच समय बिताने से तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है और मानसिक शांति मिलती है। यह शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है। जल संरक्षण और मिट्टी की गुणवत्ताः पौधों की जड़ें मिट्टी को बांधे रखती हैं, जिससे मिट्टी का कटाव रुकता है, और वे बारिश के पानी को जमीन में रिसने में मदद करती हैं,जिससे भूजल स्तर बढ़ता है। इन सभी बिंदुओं पर जोर देते हुए, शिक्षक ने छात्रों को न केवल इन लाभों को समझने के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि अपने दैनिक जीवन में पौधों की देखभाल करने और अपने आस-पास के वातावरण को हरा-भरा बनाने के लिए भी प्रेरित किया। मौके पर शिक्षक ललन सिंह,विशाल दुबे, उदय तिवारी,मृत्युंजय पाठक,जसमुद्दीन अंसारी अनीता यादव, राम मनोहर कुमार, संगीता कुमारी, प्रियंका कुमारी, सुनीता कुमारी, विनोद उरांव, राकेश कुमार व विद्यालय के छात्रों सहित सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित थे।

अरवल की नई डीएम अमृषा बैंस ने संभाला पदभार पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन देने का आश्वासन

एजेंसी। पटना

अमृषा बैंस ने अरवल जिले की नई जिलाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने समाहरणालय परिसर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। डीएम ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनहित प्रशासन की नींव है और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक सरकारी योजना का लाभ जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान अमृषा बैंस

ने अधिकारियों को टीम भावना और आपसी समन्वय को और मजबूत बनाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि सेवा भाव और निष्ठा के साथ काम करना ही सुचारू और संवेदनशील प्रशासन की पहचान है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जनता से जुड़ी शिकायतों का समाधान शीघ्र और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। पदभार ग्रहण करने के बाद नई डीएम ने जिले के पत्रकारों से भी मुलाकात की और सौहार्दपूर्ण संवाद स्थापित किया। पत्रकारों द्वारा विकास कार्यों पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप ही सभी विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली जिम्मेदारी जनता के हितों की रक्षा करना है और सभी विभागों को इसी सोच के साथ कार्य करना चाहिए। अमृषा बैंस ने बताया कि जिले का कोई भी नागरिक अपनी समस्या, सुझाव या जानकारी के लिए सीधे जिला पदाधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकता है। उन्होंने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन और जनता की सहभागिता ही जिले के समग्र विकास का रास्ता प्रशस्त करती है।

बिहार में इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के काम में आई तेजी, जारी हुआ डीएम का निर्देश

एजेंसी। पटना

भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को गति मिलने लगी है। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने बुधवार को अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने भौगोलिक स्थिति, हवाई पट्टी के माप, जमीन की उपलब्धता और तकनीकी पहलुओं की गहन समीक्षा की। अंचल अमीन ने एयरपोर्ट के लिए चिह्नित 931 एकड़ भूमि और उसके माप की जानकारी दी। डीएम ने अब तक की प्रगति रिपोर्ट मांगी और कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए, ताकि परियोजना जल्द धरातल पर उतरे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सुल्तानगंज-तारापुर फोरलेन और मंझली बांध का भी दौरा किया। इस दौरान बरसात में होने वाले जलजमाव की समस्या पर विशेष फोकस रहा। अधिकारियों ने बताया है कि गंगनियां के पास गंगा का पानी सहायक नदियों से एयरपोर्ट क्षेत्र में घुस आता है। डीएम ने मुख्य मार्ग और बांध को ऊंचा करने की आवश्यकता बताई, ताकि भविष्य में कोई बाधा न बने। जिला प्रशासन अब ऑब्स्ट्रक्शन लिमिटिंग सरफेस रिपोर्ट तैयार कर रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उड़ान-लैंडिंग में बाधा वाले अवरोधों की सूची और साइट क्लीयरेंस विवरण मांगा है। परियोजना के लिए 432.32 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि आवंटित हो चुकी है। यह एयरपोर्ट पूर्वी बिहार को हल्दिया पोर्ट से जोड़ेगा और श्रावणी मेला जैसे धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में यह वउअठ योजना का हिस्सा है। निरीक्षण में सहायक समाहर्ता जतिन कुमार, अपर समाहर्ता दिनेश राम, डीसीएलआर अपेक्षा मोदी, वरीय उप समाहर्ता अंकिता चौधरी, बीडीओ संजीव कुमार और सीओ अनुज कुमार झा मौजूद थे। यह एयरपोर्ट भागलपुर को एविएशन हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। स्थानीय लोगों को रोजगार और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। प्रशासन ने तकनीकी और भू-परिस्थितिगत चुनौतियों को दूर करने का भरोसा दिया है। उम्मीद है कि 2028 तक परियोजना पूरी हो जाएगी।

गृह विभाग में एक और ओएसडी की तैनाती, स्पेशल टास्क अफसरों की मदद से सम्राट चौधरी करेंगे क्राइम कंट्रोल

एजेंसी। पटना

बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के जिम्मे अब गृह विभाग है. पिछली सरकार में वित्त मंत्री का जिम्मा संभाल रहे थे. नई सरकार में गृह विभाग की जिम्मेदारी मिलने के बाद सम्राट चौधरी एक्शन में हैं. बालू-शराब और जमीन माफियाओं पर मुकम्मल कार्रवाई को लेकर आदेश दिए हैं. ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने,क्राइम कंट्रोल करने को लेकर डीजीपी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं. टास्क को पूरा कराने को लेकर गृह विभाग में नए-नए अधिकारियों की पोस्टिंग की जा रही है. सम्राट चौधरी के विश्वासपात्र अधिकारियों को विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया जा रहा है. नीतीश सरकार ने आज वित्त विभाग के ओएसडी आदित्य कुमार झा को गृह विभाग में इसी पद पर पदस्थापित किया है. इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी की गई है. इसके पहले एक आईएएस अधिकारी को गृह विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी के तौर पर पदस्थापित किया गया था. सरकार ने 30 नवंबर 2025 को 2007 बैच के आईएस अफसर संजय कुमार सिंह को गृह विभाग के ओएसडी (विशेष कार्य अधिकारी) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। किसी भी विभाग में ओएसडी का पद बहुत महत्वपूर्ण होता है। गृह विभाग में तो और भी खास है। सम्राट चौधरी के विभाग में पहले से एक आईएएस अफसर को ओएसडी के रूप में तैनात किया जा चुका है. अब बिहार प्रशासनिक सेवा के एक अफसर को भी विशेष कार्य पदाधिकारी बनाकर पोस्टिंग की गई है. सम्राट चौधरी को एक मिशन के तहत ही गृह विभाग सौंपा गया है। अपराध पर काबू पाना और राज्य में कानून का शासन कायम करना, फिलहाल ये दो बड़े लक्ष्य उनके सामने हैं। पहले संजय कुमार सिंह गृहमंत्री के मिशन मोड ऑफिसर के तौर पर काम कर रहे थे. अब बिप्रसे के अधिकारी आदित्य कुमार झा भी इस कार्य में सहयोग करेंगे. प्रशासनिक देरी को नगण्य करने के लिए ही गृह विभाग में ओएसडी को लगाया गया है। ओएसडी की निगरानी में 24 घंटे कमांड एंड कॉर्डिनेशन डेस्क काम करता है जो हर घटना का इंटेलिजेंस नोट तैयार करता है। इससे सरकार को हर अपडेट की जानकारी मिलती रहती है।

ओएसडी की नियुक्ति क्यों?

आम तौर पर किसी विभाग में अधिकृत पदों पर बैठे अधिकारियों की रुटीन (नियमित) जिम्मेदारियां होतीं हैं। लेकिन जब सरकार को किसी विभाग में किसी विशेष कार्य को जमीन पर उतारना होता है तो वह उस विभाग में एक ओएसडी की नियुक्ति करती है। वह सिर्फ अपने प्रोजेक्ट पर फोकस्ड रहता है। ऐसे अधिकारी की नियुक्ति किसी खास मिशन के लिए होती है और उसका पूरा समय अपने लक्ष्य पर केन्द्रित रहता है। उसका काम सामान्य अधिकारियों से अलग होता है।ओएसडी, मंत्री (सरकार) और सामान्य अधिकारियों के बीच सेतु का काम करता है। वह मंत्री या सरकार की प्राथमिकता को नियमित अधिकारियों तक पहुंचाता है। दोनों के बीच समन्वय स्थापित कर फैसले की गति को तेज करता है।

सम्राट चौधरी को एक मिशन के तहत नया पद मिला

सम्राट चौधरी को एक मिशन के तहत ही गृह विभाग सौंपा गया है। अपराध पर काबू पाना और राज्य में कानून का शासन कायम करना, फिलहाल ये दो बड़े लक्ष्य उनके सामने हैं। अब संजय कुमार सिंह गृहमंत्री के मिशन मोड ऑफिसर होंगे। वे स्पेशल टास्क कमांडर की तरह अपनी भूमिका निभाएंगे। वे विभाग के डाटा, रिपोर्ट और सूचनाओं का अध्ययन कर फील्ड की जमीनी हकीकत का ब्योरा तैयार करेंगे। अगल-अलग एजेंसियों को जोड़कर इनपुट तैयार करेंगे ताकि गृह मंत्री त्वरित फैसले ले सकें। प्रशासनिक देरी को नगण्य करने के लिए ही गृह विभाग में ओएसडी को लगाया गया है। ओएसडी की निगरानी में 24 घंटे कमांड एंड कॉर्डिनेशन डेस्क काम करता है जो हर घटना का इंटेलिजेंस नोट तैयार करता है। इससे सरकार को हर अपडेट की जानकारी मिलती रहती है।

एक नजर

बिहार में ठंड ने पकड़ी रफ्तार, घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित, मौसम विभाग ने जारी की शीतलहर चेतावनी

पटना। बिहार में सर्दी ने अचानक रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है, जबकि सुबह के समय घने कोहरे ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। पछुआ हवा के कारण ठिठुरन लगातार बढ़ती जा रही है और लोग गर्म कपड़ों के साथ अलाव का सहारा लेने के लिए मजबूर हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए और अधिक कड़ाके की ठंड की चेतावनी जारी कर दी है। बुधवार की सुबह पटना, गोपालगंज, बेतिया, बगहा, किशनगंज, बेगूसराय, मधेपुरा, खगड़िया, ओरंगाबाद और भागलपुर समेत 10 से अधिक जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर सुबह-सुबह विजिबिलिटी 50 से 100 मीटर के बीच दर्ज की गई, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई, वहीं पटना-बख्तियारपुर, गोपालगंज-सीवान और मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर रूट्स पर यातायात प्रभावित रहा। ऑफिस जाने वाले लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी कठिन रही। कई गांवों में लोग सुबह-सुबह अलाव जलाकर ठंड से बचने की कोशिश करते दिखे। बूढ़े और बच्चे इस बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर झेल रहे हैं। छोटे दुकानदार भी ठंड के कारण समय से पहले दुकानें बंद कर रहे हैं। वहीं रिक्शा, ठेला और दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह ठंड बड़ी चुनौती बनकर आई है, क्योंकि सुबह का काम ठप सा हो गया है।

बिहार में तेज रफ्तार वाहन ने स्कूल से लौट रहे छात्र को उड़ाया, नाबालिग ने एम्बुलेंस में तोड़ा दम

पटना। कैमूर जिले के चांद थाना क्षेत्र के किलनी गांव स्थित नहर रोड पर बुधवार को हुए दर्दनाक हादसे में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान चांद थाना क्षेत्र के किलनी गांव निवासी ह्रदय राम के पुत्र सोनू कुमार के रूप में की गई है। घटना उस समय हुई जब सोनू गांधी स्मारक इंटर कॉलेज किलनी से पढ़कर अपने घर लौट रहा था। तक के पिता ह्रदय राम के अनुसार, सोनू पैदल ही नहर रोड से गुजर रहा था तभी तेज रफ्तार में आ रहा एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन उसे जोरदार टक्कर मारते हुए फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 की पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल किशोर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चांद पहुंचाया। चांद सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही एंबुलेंस में ले जाने के दौरान सोनू की मौत हो गई। परिजनों के सूचना देने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। शव का पंचनामा कर सोनू के शरीर को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अब अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुट गई है। हादसे से गांव में शोक की लहर है, वहीं परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

पटना में युवक की निर्मम हत्या, अपराधियों ने ईंट-पत्थरों से कूचा, चप्पल के सहारे पुलिस ने खोजा शव

एजेंसी। पटना

पटना के फुलवारी शरीफ के टमटम पड़ाव स्थित दरगाह के पास गुरुवार को एक युवक का शव पानी से भरे गड्ढे से बरामद हुआ। युवक की पहचान मोहम्मद महताब (30), निवासी संगी मस्जिद के रूप में हुई है, जो पिछले 24 घंटे से लापता था। शुरूआती जांच में पता चला है कि उसकी ईंट और पत्थरों से कुचलकर हत्या की गई है। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से ईंट-पत्थरों के टुकड़ों के साथ एक जोड़ा चप्पल बरामद किया है। डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया। खोजी कुत्ता चप्पल को सूंघते हुए सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचा, जहां चारों ओर तलाशी ली गई। हालांकि वहां से क्या बरामद हुआ, इस पर पुलिस ने फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी नीरज कुमार झा ने बताया कि पुलिस टीम ने 24 घंटे की उउळश फुटेज जांच के लिए ले ली है। इधर, सीटीएसपी पश्चिम ममता कल्याणी ने बताया कि घटनास्थल के हालात स्पष्ट संकेत देते हैं कि युवक की हत्या ईंट-पत्थरों से बेरहमी से की गई। उन्होंने बताया कि हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। परिजनों ने बताया कि महताब बुधवार सुबह से ही लापता था। हत्या किसने और क्यों की? यह जांच का विषय है। हमलोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा है।

बेहरमी से मार डाला

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी नीरज कुमार झा ने बताया कि पुलिस टीम ने 24 घंटे की सीसीटीवी फुटेज जांच के लिए ले ली है। इधर, सीटीएसपी पश्चिम ममता कल्याणी ने बताया कि घटनास्थल के हालात स्पष्ट संकेत देते हैं कि युवक की हत्या ईंट-पत्थरों से बेरहमी से की गई। उन्होंने बताया कि हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। परिजनों ने बताया कि महताब बुधवार सुबह से ही लापता था। हत्या किसने और क्यों की? यह जांच का विषय है। हमलोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा है।

जमुई में पत्थर से कुचलकर 10 साल के बच्चे की हत्या, पड़ोसी ने दिया घटना को दिया अंजाम, पुलिस ने दबोचा

एजेंसी। जमुई

जमुई जिले के चरका पत्थर थाना क्षेत्र अंतर्गत रजौन घाघा जंगल में एक 10 वर्षीय बच्चे की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है। मृतक की पहचान रजौन गांव निवासी दिनेश दास के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार पवन बुधवार की सुबह करीब 10 बजे गायब हो गया था। परिजनों ने उसे काफी खोजा लेकिन उसका अता-पता नहीं चल सका, जिसके बाद गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने वो चरका पत्थर थाना पहुंचे लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। परिजनों का आरोप है कि समय पर मामले की जांच शुरू हो जाती तो शायद पवन की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने बताया कि पैसों के लेनझ्रदेन को लेकर पड़ोसी नीरज दास से विवाद चल रहा था। इसकी जानकारी उन्होंने पूर्व में ही पुलिस को दी थी। बाद में जब थाना प्रभारी ने आरोपी से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने पवन की हत्या करने और शव को रजौन घाघा जंगल में फेंकने की बात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद किया। घटना की जानकारी मिलते ही एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, उससे पूछताछ जारी है।

बिहार विधान परिषद आठ क्षेत्रों की मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया समाप्त, अंतिम सूची 30 दिसंबर

एजेंसी। पटना

बिहार विधान परिषद के आठ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया बुधवार को समाप्त हो गई। भारत निर्वाचन आयोग ने अगले साल होने वाले विधान परिषद चुनाव को लेकर मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिया था। आयोग ने कहा कि अब प्राप्त हुए सभी दावा-आपत्तियों का निपटान करने के बाद 30 दिसंबर 2025 को अंतिम मतदाता सूची का प्रशासन किया जाएगा। बिहार विधान परिषद के उन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार की जा रही है, जिनमें कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य 30 सितंबर 2025 से जारी था। प्रारूप सूची का प्रकाशन 25 नवंबर 2025 को किया गया था। इसके बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों में दावा-आपत्ति के आवेदन स्वीकार किए जा रहे थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रारूप सूची प्रकाशन के बाद कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 37,288 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 578 आवेदन दर्ज किए गए हैं। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 16,883 और तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 658 आवेदन प्राप्त हुए हैं। दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 3,847 और दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 1,359 आवेदन दाखिल किए गए हैं। पटना स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के आवेदन संख्या की जानकारी अभी अंतिम रूप से जारी नहीं की गई है। आयोग ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने या सुधार कराने के लिए विभिन्न माध्यमों से आवेदन आमंत्रित किए थे। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध थे। आवेदन करने वाले मतदाता सूची में अपने नाम, जन्म तिथि, पते और अन्य व्यक्तिगत जानकारी सही ढंग से दर्ज करवा सकते थे। दावा-आपत्ति प्रक्रिया के तहत मतदाता अपने नाम को जोड़ने, हटाने या किसी त्रुटि को सुधारने के लिए आवेदन कर सकते थे। बिहार में विधान परिषद चुनावों की तैयारी के मद्देनजर यह प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आयोग ने कहा है कि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद किसी भी प्रकार की गलती को सुधारने के लिए सीमित समय दिया जाएगा।

पटना में बढ़ती ठंड का असर : डीएम ने बदला स्कूलों का समय

- 11 से 18 दिसंबर तक लागू रहेगा आदेश

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ने लगी है। सुबह और देर शाम के समय सर्द हवाओं का असर साफ तौर पर महसूस किया जा रहा है। राजधानी पटना में तापमान में लगातार गिरावट और बदलते मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के संचालन समय में संशोधन किया है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पटना डीएम डॉक्टर एस. एम. त्यागराजन ने आठवीं कक्षा तक के सरकारी और निजी सभी स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश जारी किया है। जारी निर्देश के अनुसार, जिले के सभी स्कूल अब सुबह 8:30 बजे से पहले नहीं खुलेंगे। साथ ही यह भी तय किया गया है कि शाम 4 बजे तक ही कक्षाएं संचालित की जाएंगी। डीएम ने कहा कि ठंड बढ़ने के साथ ही सुबह और शाम के समय तापमान में काफी गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एहतियाती कदम उठाना आवश्यक हो गया था। प्रशासन की ओर से जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि पिछले कुछ दिनों से पटना समेत दक्षिण बिहार के कई जिलों में सुबह के समय घना कोहरा और धुंध छाई रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। इस कोहरे और ठंडी हवाओं का सबसे अधिक प्रभाव छोटे बच्चों पर पड़ता है। कम तापमान में सुबह-सुबह स्कूल पहुंचने के दौरान उन्हें सर्दी, खांसी और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए उनकी सुरक्षा के मद्देनजर स्कूल समय में बदलाव किया गया है। पटना डीएम का यह आदेश गुरुवार, 11 दिसंबर से प्रभावी होगा और 18 दिसंबर तक लागू रहेगा। इसके बाद मौसम की स्थिति के आधार पर आदेश को आगे बढ़ाने या समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। प्रशासन ने सभी स्कूल संचालकों को निर्देशित किया है कि वे आदेश का कड़ाई से पालन करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इधर, मौसम विभाग ने भी चेतावनी दी है कि इस सप्ताह पटना और आसपास के इलाकों में सुबह के समय कोहरा छाया रहने की संभावना है। हालांकि, दोपहर होते-होते धूप निकलने के आसार हैं, जिससे हल्की राहत मिलेगी। विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक राज्य का मौसम शुष्क रहने वाला है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी अगले तीन से चार दिनों तक किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसका मतलब है कि फिलहाल ठंड का असर धीरे-धीरे ही बढ़ेगा, लेकिन सुबह-शाम की ठिठुरन जारी रहेगी। बिहार में हर वर्ष दिसंबर के शुरूआती दिनों में ठंड अपना असर दिखाने लगती है। लेकिन इस बार मौसम में थोड़ी देरी से बदलाव आया है। इसके बावजूद, प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर आवश्यक निर्णय ले रहा है। डीएम के इस आदेश के बाद अभिभावकों ने भी राहत महसूस की है। उनका कहना है कि सुबह के समय ठंड काफी अधिक होती है, ऐसे में देर से स्कूल खुलने से बच्चों को फायदा होगा और वे बीमार होने से बचेंगे।

ईडी ने बिहार के पूर्व डीआईजी की 1.5 करोड़ की संपत्ति जब्त की, मनी लॉन्ड्रिंग केस में एक्शन

एजेंसी। पटना

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बिहार में बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन डीआईजी शिवेंद्र प्रियदर्शी की डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति प्रोविजनल तौर पर जब्त कर ली है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत की गई है। ईडी ने शिवेंद्र के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की, जिसमें जमीन, मकान, दो फ्लैट, बैंक बैलेंस, सोने-चांदी के गहने, फिक्स डिपॉजिट, किसान विकास पत्र और एनएससी में निवेश शामिल हैं। शिवेंद्र प्रियदर्शी पर आरोप है कि उन्होंने डीआईजी (प्रिजन एंड करेक्शनल सर्विसेज) के पद का दुरुपयोग करते हुए खुद और पत्नी के नाम पर 1.52 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति अर्जित की। इससे पहले इस मामले में विशेष निगरानी इकाई ने फरवरी 2017 में जांच शुरू की थी, जिसके बाद मई 2017 में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके आधार पर दायर चार्जशीट के बाद ईडी ने मामले की नई जांच शुरू की। ईडी ने शिवेंद्र के खिलाफ आईपीसी 1860 और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन (पीसी) एक्ट, 1988 की अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज किया। जांच में पता चला कि उन्होंने जून 1993 से मई 2017 के बीच बिहार के सासाराम, बेनीपुर, गोपालगंज, सिवान और पटना जैसी जगहों पर पोस्टेड रहते हुए अवैध तरीके से करीब 1.52 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रनों से हराया

खराब रही टीम इंडिया की शुरूआत

साउथ अफ्रीका के दिए 214 रनों की लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 32 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे. शुभमन गिल बिना खाता खोले ही गोल्डन डक आउट हुए. वहीं अभिषेक शर्मा 8 गेंद पर 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे. जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव 4 गेंद पर 5 रन बनाकर चलते बने. इसके बाद नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी 21 गेंद पर 21 रन बनाकर आउट हुए. फिर तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या के बीच एक अच्छी साझेदारी हो रही थी, जिसे लुथो सिपाम्ला ने तोड़ा. हार्दिक पांड्या 23 गेंद पर 20 रन बनाकर आउट हुए. इस दौरान हार्दिक ने सिर्फ एक छक्का जड़ा. साउथ अफ्रीका की टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 213 रनों का स्कोर खड़ा किया. साउथ अफ्रीका के लिए ओपनर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंद पर 90 रनों की तूफानी पारी खेली. जबकि कप्तान एडम मार्कराम 26 गेंद पर 29 रन बनाए. वहीं आखिरी में डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रनों की पारी खेली. वहीं भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट चटकाए. अक्षर पटेल को एक सफलता मिली.

एजेंसी। नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन किया और पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। इस मैच में डिकॉक ने बल्ले से दम दिखाया, जबकि बार्टमैन ने शानदार गेंदबाजी की।क्विंटन डिकॉक के बाद ओटेनिल बार्टमैन की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 51 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने डिकॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। गिल तो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह जल्द ही विकेट गंवा बैठे। भारत के लिए सिर्फ तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। तिलक आखिरी बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 27, अक्षर पटेल ने 21, हार्दिक पांड्या ने 20 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओटेनिल बार्टमैन ने चार विकेट झटके, जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन और लुथो सिपाम्ला को दो-दो विकेट मिले। ओटेनिल बार्टमैन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में तीन विकेट लिए। बार्टमैन ने शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को आउट किया।ओटेनिल बार्टमैन ने शिवम दुबे को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। शिवम एक रन बनाकर आउट हुए।भारत को जितेश शर्मा के रूप में छठा झटका लगा है। जितेश 17 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा हालांकि क्रीज पर मौजूद हैं। भारत को 13 गेंदों पर 57 रन चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का स्कोर 150 के पार पहुंच गया है। भारत के लिए तिलक वर्मा अर्धशतक लगाकर क्रीज पर मौजूद हैं और उनका साथ जितेश शर्मा निभा रहे हैं। भारत को हार्दिक पांड्या के रूप में पांचवां झटका लगा है। हार्दिक 23 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 100 रनों का आंकड़ा छू लिया है। क्रीज पर फिलहाल हार्दिक पांड्या के साथ तिलक वर्मा मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पारी लड़खड़ा गई है। भारत ने नौ ओवर की समाप्ति तक चार विकेट पर 71 रन बनाए हैं। भारत को अब जीत के लिए 66 गेंदों पर 143 रन बनाने हैं। भारत को अक्षर पटेल के रूप में चौथा झटका लगा जो 21 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए।तिलक वर्मा और अक्षर पटेल ने भारतीय पारी को संभाला जिससे टीम का स्कोर 60 रन के पार पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को शुरूआती झटके दिए थे।मार्को यानसेन ने कप्तान सूर्यकुमार यादव को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया है। सूर्यकुमार चार गेंदों पर एक चौके की मदद से पांच रन बनाकर आउट हुए।दक्षिण अफ्रीका ने भारत को शुरूआती झटके दिए हैं। गिल के बाद अभिषेक शर्मा भी पवेलियन लौट गए हैं। मार्को यानसेन ने अभिषेक को आउट किया जो आठ गेंदों पर दो छक्के की मदद से 17 रन बनाकर आउट हुए।

एक नजर

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद आपस में भिड़े खिलाड़ी, जांच शुरू

इस्लामाबाद। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) और पाकिस्तान ओलंपिक संघ कराची में पाकिस्तान आर्मी और वाप्डा टीम के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के बाद खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने की घटना की जांच कर रहे हैं, जिसमें कई खिलाड़ी और अधिकारी घायल हो गए थे।केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी बीच में कूद पड़े। वे एक-दूसरे को मुक्के और लात मार रहे थे। मैच का सीधा प्रसारण होने के दौरान ही इस घटना के दृश्य कैमरे में कैद हो गए और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिसके बाद कई लोगों ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।यह झड़प तब शुरू हुई जब आर्मी के खिलाड़ियों द्वारा अपने डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर वाप्डा के कुछ सदस्यों ने गुस्सा जताया। पीएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने घटना का संज्ञान लिया है। पाकिस्तान ओलंपिक संघ भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि राष्ट्रीय खेल उसके दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हम भी इस घटना की जांच करेंगे और इसमें शामिल खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।' वीडियो में दिखाया गया है कि वाप्डा के कुछ खिलाड़ियों ने मैच रेफरी के साथ हाथापाई की। वाप्डा के खिलाड़ी रेफरी द्वारा आर्मी की टीम को पेनल्टी किक दिए जाने से नाखुश थे।

एशिया की सर्वकालिक ड्रीम इलेवन टीम भारत की बेमबेम और आशालता नामांकित

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल की दिग्गज खिलाड़ी बेमबेम देवी और आशालता देवी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) महिला एशियाई कप की सर्वकालिक ड्रीम इलेवन फुटबॉल टीम के लिए नामांकित किया गया है। पद्म श्री से सम्मानित होने वाली एकमात्र भारतीय महिला फुटबॉलर पूर्व कप्तान बेमबेम ड्रीम इलेवन टीम के लिए नामांकित 12 मिडफील्डरों में से एक हैं।बेमबेम और आशालाता दोनों मणिपुर से हैं, जो देश में महिला फुटबॉल का एक प्रमुख केंद्र है। एएफसी ने एक बयान में कहा, 'दो दशकों से अधिक समय तक के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान बेमबेम देवी भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की एक पीढ़ी की नायिका थीं।'बयान में कहा गया है, 'वह 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में भारतीय टीम की कप्तान थीं और उन्हें दो बार एआईएफएफ महिला प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया है। उन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान मिले हैं।

एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित, सिंधू और लक्ष्य टीम में शामिल

टीम इस प्रकार हैं

पुरुष : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, प्रणय एचएस, थारुन मन्नेपल्ली, सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय, साई प्रतीक के, हरिहरन अमसाकरुणन। महिला : पीवी सिंधू, उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा, रक्षिता श्री संतोष रामराज, मालविका बंसोड़, त्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद, प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा, तनीषा क्रास्टो।

एजेंसी। नई दिल्ली

अगले साल चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित हो गई है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को इस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट तीन से आठ फरवरी तक होगा। भारत इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत चैंपियन है, जबकि पुरुष टीम ने अतीत में दो कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक बयान में कहा, 'रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चुनी गई महिला टीम की अगुआई एक बार फिर पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू करेंगी।' दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे, जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी जगह मिली है।सात्विक-चिराग पुरुष युगल वर्ग में अगुआई करेंगे जिसमें गुवाहाटी मास्टर्स के उप विजेता साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय के साथ हरिहरन अमसाकरुणन भी शामिल हैं। महिला वर्ग में सिंधू को एकल में विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री संतोष रामराज और मालविका बंसोड़ का साथ मिलेगा। सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय चैंपियन गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली महिला युगल में भारत की अगुआई करेंगी, जबकि प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा और तनीषा क्रास्टो को भी टीम में जगह मिली है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टिकट बिकना शुरू

भारत में 100 और श्रीलंका में 290 शुरूआती कीमत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टिकट की ब्रिकी शुरू हो चुकी है। आईसीसी ने भारतीय समयानुसार शाम 6.45 बजे से टिकट विंडो ओपन कर दी। 20 टीमों का आईसीसी टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरू होगा, जो 8 मार्च तक खेला जाएगा। आईसीसी ने गुरुवार को बताया कि फेज-1 में भारत के वेन्यू पर टिकट की शुरूआती कीमत 100 रुपए हैं। वहीं श्रीलंका के वेन्यू पर शुरूआती कीमत 1000 लंकन रुपया (290 रुपए) है। हालांकि, भारत में टीम इंडिया के मैच के टिकट की शुरूआती कीमत 500 रुपए हैं। वहीं कोलंबो में होने वाले भारत-पाक मैच के टिकट की शुरूआती कीमत 450 रुपए हैं। फेज-2 के टिकट बिक्री की तारीखें जल्द अनाउंस की जाएंगी। दर्शक वर्ल्ड कप की ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट खरीद सकते हैं। फिलहाल ग्रुप स्टेज के मैचों की टिकट ही बिकने शुरू हुए। सुपर-8 स्टेज और नॉकआउट राउंड के टिकट टूर्नामेंट शुरू होने के दौरान बिकना शुरू होंगे। टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमों के बीच 29 दिन में 55 मैच खेले जाएंगे। ग्रुप स्टेज में हर दिन 3 मैच होंगे। मुकाबले शुरू होने की टाइमिंग सुबह 11, दोपहर 3 और शाम 7 बजे रहने वाली है। सुपर-8 स्टेज में हर दिन 2 ही मैच होंगे। वहीं नॉकआउट स्टेज में एक दिन में एक ही मैच होगा, जिसकी टाइमिंग शाम 7 बजे रहेगी। टूर्नामेंट का फॉर्मेट पिछले वर्ल्ड कप की तरह ही रहेगा। जिसमें 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 में क्वालिफाई करेंगी। यहां टीमों को 4-4 के 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। यहां भी दोनों ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सेमीफाइनल में एंट्री मिलेगी। सेमीफाइनल जीतने वाली 2 टीमों के बीच 8 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

ग्रुप स्टेज में 4, सुपर-8 में 3 मैच होंगे

ग्रुप स्टेज में हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 4-4 मैच खेलेंगी। ज्यादा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में रहने पर ही सुपर-8 में एंट्री मिलेगी। सुपर-8 राउंड में भी हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी फाइनल तक पहुंचने वाली 2 टीमें 8-8 मैच खेल लेंगी।

भारत-पाकिस्तान 15 फरवरी को भिड़ेंगे

आईसीसी ने 25 नवंबर को आईसीसी टूर्नामेंट का शेड्यूल रिलीज कर दिया था। नीदरलैंड और पाकिस्तान के बीच 7 फरवरी को कोलंबो में ओपनिंग मैच खेला जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे से भारत अपना पहला मैच अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। टीम फिर 12 फरवरी को नामीबिया, 15 को पाकिस्तान और 18 को नीदरलैंड से भिड़ेगी।

भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 टाइटल जीते

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरूआत 2007 में हुई। भारत ने पहले एडिशन के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था। इसके 17 साल बाद भारत ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराया और दूसरी बार टाइटल जीता। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 टाइटल जीते हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने 1-1 बार खिताब जीता है। 22 दिसंबर को होने वाली इउउक की मीटिंग में खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सबसे बड़ा मुद्दा होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली अ+ ग्रेड में हैं, लेकिन उनका टॉप ग्रेड से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। वजह यह कि दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे खेल रहे हैं। उनकी जगह शुभमन गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल के अ+ ग्रेड में प्रमोशन पर चर्चा होगी।

चैंपियंस लीग में 16 वर्षीय सैल्मन का डेब्यू : रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ी रेफरी से बदसलूकी पर निलंबित

एजेंसी। नई दिल्ली

यूरोपीय फुटबॉल में इस हफ्ते दो विपरीत तस्वीरें सामने आईं। एक ओर 16 साल के मार्ली सैल्मन ने चैंपियंस लीग में आर्सेनल की ओर से डेब्यू कर इतिहास रचा, वहीं दूसरी ओर रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ियों को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के कारण दो मैचों के निलंबन का सामना करना पड़ा। लंदन में क्लब ब्रुग के खिलाफ खेले गए मैच में आर्सेनल ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में एक खास पल तब आया जब मार्ली सैल्मन, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल 103 दिन है, को कोच मिकेल आर्टेटा ने अंतिम मिनटों में मैदान पर उतारा। जैन ब्राइडलस्टेडियन में हुए इस मैच ने सैल्मन को चैंपियंस लीग इतिहास के छठे सबसे कम उम्र के

खिलाड़ी के रूप में दर्ज कर दिया। आर्टेटा ने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि किसी न किसी दिन हमें उसे मौका देना होगा। वह अभी सिर्फ 16 साल का है और चैंपियंस लीग में खेलना कोई छोटी बात नहीं।' आर्सेनल की इस सीजन में यह सबसे कम उम्र का डेब्यू भी नहीं है। इससे पहले मैक्स डॉमन, उम्र 15 साल 308 दिन, स्लाविया प्राग के खिलाफ मैदान पर उतरकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। वएत्रक्ष के मुताबिक, जैक विल्शर और डॉमन के बाद, सैल्मन आर्सेनल के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें 16 वर्ष या उससे कम उम्र में चैंपियंस लीग में मैदान पर उतारा गया है।क्लब का कहना है कि नंबर 89 जर्सी पहनने वाला यह डिफेंडर एक बेहतरीन बॉल-प्लेइंग सेंटर-बैक है और उसने अंडर-11 टीम से शुरूआत की थी। खास बात यह है कि सैल्मन ने अभी तक आर्सेनल के लिए कोई सीनियर घरेलू लीग या कप मैच नहीं खेला है। उनका टॉप-टियर डेब्यू अंडर-21 फुटबॉल लीग ट्रॉफी के मुकाबले से पहले ही चैंपियंस लीग के मंच पर हो गया। आर्सेनल के लिए शानदार युवा शुरूआत के विपरीत, स्पेनिश दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड विवादों में घिर गया है। पिछले हफ्ते सेल्टा विगो के खिलाफ 0-2 की हार के दौरान और बाद में रेफरी के प्रति गलत व्यवहार के कारण तीन खिलाड़ियों को दो मैच के लिए निलंबित कर दिया गया। मैच में फ्रान गार्सिया को पहले ही दूसरे पीले कार्ड पर बाहर भेज दिया गया था और उन्हें एक मैच का बैन मिला। स्पेनिश लीग ने सख्त कार्रवाई करते हुए कहा कि खिलाड़ियों का व्यवहार लीग की मूल भावना और रेफरी के सम्मान के खिलाफ था।

कौन-कौन हुआ निलंबित?

- अल्वारो करेरास झ स्टॉपेज टाइम में रेड कार्ड
- एंड्रिक, बेंच पर रहते हुए रेफरी से शिकायत, रेड कार्ड
- दानी कावार्हाल झ इंजरी के कारण मैच में नहीं उतरे थे लेकिन टनल में रेफरी का अनादर करने का आरोप

राजगीर की खेल अकादमी को एएचएफ और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

एजेंसी। नई दिल्ली

राजगीर स्थित बिहार राज्य खेल अकादमी को एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) अकादमी और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्रदान की गई है जो बिहार के खेल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब खान ने बुधवार को चेन्नई में जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद आयोजित एक विशेष समारोह में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को प्रदान किया। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण भी उपस्थित थे।इस अवसर पर श्रेयसी सिंह ने कहा कि हॉकी की विश्व में सर्वोच्च संस्था से राज्य खेल अकादमी को मिली यह मान्यता न केवल बिहार के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह राज्य

की उभरती खेल क्षमता और एशियाई हॉकी संरचना में राज्य की सशक्त उपस्थिति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार किसी राज्य खेल अकादमी को यह मान्यता प्रदान की गई है। एएचएफ ने अपने पत्र में कहा, 'राजगीर खेल अकादमी को एएचएफ अकादमी एवं हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में प्रमाणित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह मान्यता अकादमी के विजन, विश्वस्तरीय खेल ढांचा, जमीनी स्तर से लेकर हाई परफॉर्मेंस तक हॉकी के विकास के लिए संस्थागत तैयारी और समर्पण को दर्शाती है।' बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा, 'यह उपलब्धि राज्य के हॉकी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों और खेल प्रशासकों के लिए गर्व का क्षण है। यह सफलता बिहार में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं, सतत निवेश तथा सरकार की सकारात्मक खेल नीति का परिणाम है।'